मध्य प्रदेश: भारत का बाघ राज्य

चर्चा में क्यों?

देश में सबसे ज़्यादा बाघ मध्य प्रदेश में हैं। देश के वनों में मौजूद लगभग 3,800 बाघों में से 785 मध्य प्रदेश में हैं।

वर्ष 2011 से 2018 के बीच थोड़े समय के लिये कर्नाटक ने बाघों की सर्वाधिक संख्या के मामले में मध्य प्रदेश को पीछे छोड़ दिया था।

मुख्य बिंदु:

- वर्ष 2022 की बाघ गणना के अनुसार देश में बाघों की संख्या 3,682 से 3,925 के बीच है, जिसमें से मध्य प्रदेश 785 बाघों के साथ शीर्ष पर है, उसके बाद क्रमशः कर्नाटक (563), उत्तराखंड (560) और महाराष्ट्र (444) का स्थान है।
- उत्तराखंड का जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान **260 बाघों** के साथ पूरे देश के सभी बाघ अभयारण्यों में शीर्ष पर है।
- **वन अधिकारियों** के अलावा जनजातियों **और वनवासियों** सहित हितधारकों द्वारा किये गए प्रयासों से भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिससे बिग कैट प्रजातियों के संरक्षण में सहायता मिली है।
- **पहली बाघ गणना वर्ष 1972 में की गई थी,** जिसमें बाघों की संख्या 1,827 दर्ज की गई थी।
- भारत की बाघ संख्या को आवास की कमी, अवैध शिकार और मानव-वन्यजीव संघर्ष के कारण गंभीर खतरों का सामना करना पड़ा है
- 20वीं सदी के प्रारंभ में भारत में बाघों की संख्या अच्छी थी लेकिन 1970 के दशक तक उनकी संख्या में चिंताजनक रूप से कमी आ गई थी।
- इसकी अनुक्रिया में सरकार ने **वर्ष 1973 में** 'प्रोजेक्ट टाइगर' शुरू किया, जिसका उद्देश्य बाघों के लिये सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने और शिकार गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु पूरे देश में बाघ अभयारण्यों का एक नेटवर्क बनाना था।
- भारत के वनों का पारिस्थितिक संतुलन **और** जैवविविधता बनाए रखना भी परियोजना का एक उद्देश्य था।

बाघ अभ्यारण्य/टाइगर

- **स्ट्राइप्ड बिग कैट्स अर्थात् बाघों** के संरक्षण के लिये नामित संरक्षित क्षेत्र को **टाइगर रिज़र्व** कहा जाता है। हालाँकि, टाइगर रिज़र्व एक राष्ट्रीय उद्यान या वन्यजीव अभयारण्य भी हो सकता है।
    - उदाहरण के लिये: सरिस्का टाइगर रिज़र्व भी एक राष्ट्रीय उद्यान है। ऐसा इसलिये है क्योंकि इस जगह को मूल रूप से एक राष्ट्रीय उद्यान के रूप में बनाया गया था और बाद में इसे **बाघ संरक्षण के लिये समर्पित** कर दिया गया।
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की सलाह पर वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 38V के प्रावधानों के अनुसार **राज्य सरकारों** द्वारा बाघ रिज़र्वों को अधिसूचित किया जाता है।
- वर्तमान में भारत में **कुल 54 बाघ अभयारण्य** हैं (जिनमें सबसे हालिया अभयारण्य धौलपुर-करौली बाघ अभयारण्य है)।

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (*Panthera Tigris*) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

* महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
* सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन, सदाबहार वन, समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव दलदल, घास के मैदान और सवाना

देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- **IUCN** रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- **CITES :** परिशिष्ट-I
- **WPA 1972 :** अनुसूची-I

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर : 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना : प्रत्येक 5 वर्ष में

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
  - वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
  - मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिज़र्व हैं
  - नवीनतम टाइगर रिज़र्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
  - नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिज़र्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

Drishti IAS

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/madhya-pradesh-tiger-state-of-india